स्थापित : 13 अप्रेल 1987

RNI NO. : RAJHIN/2002/9625

शहीद जगत

राष्ट्रीय भावना एवं सामाजिक जनचेतना जागृत करने वाली हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 15 अंक : 5 | कोटा, 15 मई 2018 | पृष्ठ : 4 | मूल्य 2 रूपये

20वां आर्य परिवार युवक–युवती परिचय सम्मेलन दिल्ली में सम्पन्न

आर्य महिला सशक्तिकरण का सफलतम माध्यम है आर्य परिवार वैवाहिक परिचय सम्मेलन- धर्मपाल आर्य

परिचय सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से आए युवक–युवतियों ने दिया परिचय, दहेज रहित विवाह करने का लिया संकल्प

कोटा। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में 20वां आर्य परिवार युवक-युवती परिचय सम्मेलन आर्य समाज कीर्ति नगर में 6 मई 2018 को भव्य रूप में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में विभिन्न प्रान्तों के आर्य परिवारों से आए युवक-युवतियों ने पूर्ण आत्मविश्वास के साथ अपना परिचय देने के साथ-साथ उन्हें कैसा जीवन साथी चाहिए इस विषय में खुलकर अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय संयोजक अर्जुनदेव चड्ढा ने कोटा आकर बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान युग में आर्य मर्यादानुरूप महिला सशक्तिकरण का सफलतम माध्यम है यह परिचय सम्मेलन। युवतियों का विवाह के लिए मंच पर आकर परिचय देना और उनके अंदर के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला कार्य है। साथ ही इच्छानुरूप जीवन साथी का चयन स्त्री स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण की ओर एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

अपने सम्बोधन को गति देते हुए प्रधान जी ने कहा कि हम सब मनुश्य हैं। मनुश्य ही हमारी जाति है। क्योंकि प्रभु ने हमें जन्म से मनुश्य बनाया है। इसलिए समाज में प्रचलित जातिगत बंधनों को नहीं मानना चाहिए। समान गोत्र के विवाह से बचना चाहिए। इसी कारण वंषानुक्रमण एवं स्वास्थ्य की दृश्टि से भी वैज्ञानिक निकट एवं रक्त संबंधों में विवाह नहीं करने को कहते हैं। महर्शि दयानंद सरस्वती ने भी विवाह संबंधी विचारों में इसी बात को प्रमाण के साथ स्पश्ट किया है। महर्शि दयानंद ने गुण, कर्म और स्वभाव को ध्यान में रखकर विवाह करने के लिए प्रावधान किया है।

धर्मपाल आर्य ने कहा इस वर्ष 25,26,27 और 28अक्टूबर 2018 को अन्तर्राश्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली में होना निश्चित है इस सम्मेलन के अन्तर्गत दो आर्य विवाह परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाने की मैं घोशणा करता हूं।

26 अक्टूबर उच्च षिक्षित प्रोफेषनल व उच्च आय वर्ग (मासिक आय पचास हजार से अधिक) के युवक-युवतियों का और 27 अक्टूबर को सभी षिक्षित व आय वर्ग के लिए युवक-युवतियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें आप अपने इश्टमित्रों, रिश्तेदारों को इन दोनों सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें जिससे इन दोनों सम्मेलनों में अधिक से अधिक आर्य परिवार लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम में आर्य परिवार युवक-युवती परिचय सम्मेलन के राश्ट्रीय संयोजक अर्जुनदेव चड्ढा ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रथम सम्मेलन से बीसवं सम्मेलन तक पहुंचने की हमारी यात्रा की जो गति रही वह निश्चित रूप से सबके लिए प्रेरणादायी है कि अत्यल्प समय में हम इस उपलब्धि तक पहुंच सके। इसके लिए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली की जितनी भी सराहना की जाए उतनी ही कम है।

आर्य समाज कीर्ति नगर के मंत्री श्री सतीश चड्ढा ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि 20वें सम्मेलन की इन सीढियों पर चढते हुए कीर्ति नगर में यह दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि युवक-युवतियों ने बिना दहेज लिए विवाह करने के संकल्प व्यक्त किये।

चड्ढा ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में राश्ट्रीय संयोजक श्री अर्जुन देव चड्ढा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में जिन युवक-युवतियों का पंजीकरण किया गया है उनका फेटोयुक्त बायोडाटा विवरणिका पुस्तिका में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तिका सभी पंजीकृत युवक-युवतियों को नि:शुल्क प्रदान की गई है। श्री अर्जुन देव जी ने बताया कि प्रात: से ही बड़ी संख्या में युवक-युवतियों एवं अभिभावकों का आना प्रारम्भ हो गया था। देश के विभिन्न राज्यों से लोगों ने आकर इस सम्मेलन में भाग लिया। आने वाले सभी महानुभावों के लिए आर्य समाज कीर्तिनगर की ओर से प्रात: नाश्ते व दोपहर भोजन की व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मंचासीन अतिथियों मुख्य अतिथि धर्मपाल आर्य, ओम प्रकाष आर्य, एस.पी. सिंह, कीर्ति षर्मा, ओम प्रकाष आर्य अर्जुनदेव चड्ढा , सतीष चड्ढा, आर.सी. आर्य, बलदेव सचदेवा, कविता आर्या, वीणा आर्या, विभा आर्या ने सामूहिक दीप प्रज्वलन डा. ऋषिपाल शास्त्री द्वारा वेदमंत्रों ,के मंत्रोच्चारण से किया।

सम्मेलन में दिल्ली क्षेत्र के संयोजक एस.पी. सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम स्थल पर पूछताछ, तत्काल रजिस्ट्रेशन, विवरणिका पुस्तिका, युवक-युवती बेज वितरण आदि के पृथक-पृथक काउन्टर लगाये गये थे। इन काउन्टरों की पूरी जिम्मेदारी श्रीमती विभा आर्या,श्रीमती वीणा आर्या, कु. हविषा आर्या, कु. पर्णिका आर्या एवं सर्वश्री प्रवेश गोयल, मनोज नेगी, सौरभ यादव एवं अरुण प्रकाश ने सम्भाल रखी थी।

सम्मेलन में आये सभी युवक-युवतियों ने अपने माता-पिता के साथ आकर आत्मविश्वास के साथ अपना परिचय दिया तथा कुछ ने उन्हें कैसा जीवनसाथी चाहिए इस बारे में अपनी इच्छा जाहिर की। इस अवसर पर मेल मिलाप समिति भी बनाई गई जिसने उपस्थित परिवारों को आपस में मिलाने व आपसी विचार विमर्श करने के लिए ओम प्रकाष आर्य, सतीष चड्ढा, षिव कुमार मदान, अर्जुनदेव चड्ढा, वीणा, आर्या, विभा आर्या ने सहयोग किया।

सम्मेलन में आये हुए समस्त अतिथियों को आर्य समाज कीर्तिनगर के पदाधिकारियों द्वारा पीत वस्त्र से

शेष पृष्ठ तीन पर

मासिक
शहीद जगत
कोटा, 15 मई 2018

सम्पादकीय

दोस्ती की राह पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताजा नेपाल यात्रा ने एक बार फिर इस तथ्य को सही ढंग से रेखांकित किया है कि दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों की जड़ें कितनी गहरी हैं। जनकपुर-अयोध्या बस सेवा का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल ठीक कहा कि नेपाल के बगैर भारत की आस्था अधूरी है, उसका इतिहास अधूरा है, उसके धाम अधूरे हैं और राम भी अधूरे हैं। इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जमीन पर दोनों देश सहयोग और सामंजस्य के साथ विकास पथ पर कदम बढ़ाने की तैयारी में हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली से मोदी की 2 महीने के अंदर यह दूसरी मुलाकात थी। भले ही ओली कुछ समय पहले तक अपने भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते रहे हों, दोनों नेताओं में हाल के दिनों में आपसी समझदारी बढ़ने के स्पष्ट संकेत मिले हैं। इन्हीं संकेतों को और स्पष्ट करते हुए मोदी ने वहां कहा कि हालिया चुनावों के परिणाम नेपाल के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखे जाने लायक हैं। दोस्ती और करीबी की ऐसी बातें महज शब्दों तक सीमित नहीं रहीं। दोनों पक्षों में इस बात पर सहमति बन गई कि सभी लंबित मसले 19 सितंबर के पहले ही सुलझा लिए जाएंगे। 19 सितंबर नेपाल में संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री की इस दो दिवसीय यात्रा में आधा दर्जन से ज्यादा ऐसी सहमतियां बनी हैं जिन्हें दोनों देशों के संबंधों की मजबूती के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत सीमा पार कनेक्टिविटी के सवाल पर दोनों देशों की साझेदारी के लिए तैयार है। रेल संपर्क बढ़ाने के लिए सर्वे का काम जल्दी ही शुरू हो जाएगा। कृषि के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति हुई है। दो ऐसे क्षेत्र जरूर रह गए जिन पर भारत ने फिलहाल हामी नहीं भरी है। भारत में रद्द किए जा चुके 1,000 और 500 सौ के नोटों के नेपाल में पड़े बंडलों की अदला-बदली और भारत से होकर 4 अतिरिक्त हवाई मार्गों को मंजूरी का नेपाल का अनुरोध। इसके बावजूद, यह स्पष्ट है कि दोनों देश हाल की कड़वाहट को भुलाकर सहयोग के सुनहरे पथ पर साथ-साथ बढ़ चले हैं।

कुष्ठ रोगियों की बस्ती में आर्यसमाज ने बांटी खाद्यान्न सामग्री

कोटा। आर्य समाज जिला सभा कोटा द्वारा वीर सावरकर नगर स्थित कुष्ठ रोगियों की बस्ती में खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

आर्य समाज के जिलासभा प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा के नेतृत्व में आर्य समाज कोटा के प्रतिनिधिमंडल ने कुष्ठ रोगियों की बस्ती में जाकर खाद्य सामग्री बांटी। जिसमें बिस्किट तथा नमकीन के पैकेट वितरित किये गये।

इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रकाश आर्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुष्ठ रोगियों के मध्य जाकर इस प्रकार से खाद्य सामग्री इत्यादि बांटने को उन्होंने परोपकार का सर्वश्रेष्ठ कार्य बतलाया है। जरूरतमंद की आवश्यकताओं की पूर्ति सामाजिक दायित्व होती है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आर्य समाज कोटा जिला सभा के माध्यम से इस दायित्व को बखूबी निभा रहा है।

खाद्यान्न सामग्री वितरण के इस कार्यक्रम में जिला सभा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि इस प्रकार की सेवा के माध्यम से हम संसार का उपकार करना आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य है, महर्षि दयानन्द के इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर कोटा के डीएवी के धर्म शिक्षक आचार्य शोभाराम आर्य, महावीर नगर आर्य समाज के प्रधान रामचरण आर्य, राधाबल्लभ राठौर व अन्य आर्यजन उपस्थित रहे।

बेटी बचाव अभियान....

कन्या और वृक्ष

बेटी
पेड़ से बोली
भाई, तुम्हारी और मेरी
किस्मत एक जैसी है
मुझे गर्भ के भीतर
मारा जाता है
और तुम्हे
गर्भ के बाहर
पेड़ ने
बेटी के दर्द को
आत्मसात करते हुए कहा
बहन, हम दोनों मिलकर
मनुष्य को कैसे समझाएँ कि
स्वयं के पैर पर
कुल्हाड़ी मारना
बुद्धिमानी नहीं है
बेटी / पृथ्वी की
उर्वरा है
और पेड़
नूतनता।

बेटी घर घर की किलकारी है।
एक नही दो घर की फुलवारी है।।

आर्य समाज
जिला आर्य प्रतिनिधि सभा, कोटा

DCM SHRIRAM LTD.
Growing with trust

शेष पृष्ठ एक का

20वां आर्य परिवार युवक–युवती परिचय सम्मेलन दिल्ली में सम्पन्न

स्वागत किया गया व श्री अर्जुन देव चड्ढा व आर.सी. आर्य ने सभी अतिथियों को राजस्थानी पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया।

श्रीमती कविता आर्या संगीताचार्या ने प्रभुभक्ति के सुमधुर भजनों '' सारे नामों में है ओम नाम प्यारा'' व ''जिस आदमी को सिर झुके भगवान के आगे सारी दुनिया झुके उसके आगे''...प्रस्तुत किये। मंच का कुशल संचालन महिला संयोजिका श्रीमती वीणा आर्या, श्रीमती विभा आर्या एवं श्री हर्ष प्रिय आर्य व सतीश चड्ढा ने किया।

इस अवसर पर आर्य समाज कोटा द्वारा प्रकाशित जीवन है अनमोलज् पत्रक का मुख्य अतिथि द्वारा विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि ने पत्रक के मुख्य बिन्दुओं सकारात्मक सोच, मनुष्य जीवन के महत्त्व, तनाव से दूर रहें, अपनी क्षमताओं को पहचाने इत्यादि पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री ओम प्रकाश आर्य व शिव कुमार मदान उपप्रधान, एस.पी. सिंह दिल्ली संयोजक एवं मंत्री, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, कीर्ति शर्मा व राजेन्द्र दुर्गा उप प्रधान, सतीश चड्ढा महामंत्री, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली, बलदेव राज सचदेवा प्रधान, वेद प्रचार मण्डल पश्चिमी दिल्ली, कमरभान खेत्रपाल आर्य, पूर्व दिल्ली संयोजक, हर्ष प्रिय आर्य, ओ.पी. घई संरक्षक वेद प्रचार मण्डल पश्चिमी दिल्ली, आर.सी. आर्य कोटा, सर्वश्रीमती वीणा आर्या, आर्य विद्यापरिषद, विभा आर्या, कविता-आर्या व सुषमा सेठ, मंत्राणी आर्य समाज कीर्ति नगर इत्यादि का योगदान रहा। शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आर्यसमाज ने पक्षियों के लिए बांधे परिण्डे

सभी प्राणियों के कल्याण के लिए कार्य करना ही वैदिक आदेश है – प्रकाश आर्य

कोटा। भीषण गर्मी में जहां सब लोग प्यास एवं गर्मी से त्रस्त हैं, ऐसे समय में मूक प्राणियों, पक्षियों को पेयजल उपलब्ध कराने के अपने कार्यक्रम के अन्तर्गत आर्य समाज जिला सभा कोटा द्वारा रंगबाड़ी स्थित निराश्रित बालगृह में परिण्डे बांधे गये एवं उनमें शीतल जल भरा गया।

मधुस्मृति संस्थान रंगबाड़ी में आर्य समाज जिला सभा कोटा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा के नेतृत्व में आर्य समाज के कार्यकर्ताओं ने परिण्डे बांधने का कार्य किया।

इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के महामंत्री प्रकाश आर्य की विशेष गरिमामय उपस्थिति रही। परिण्डे बांधने के इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वेद हमें सभी प्राणियों को मित्र की दृष्टि से देखने एवं तदनुकूल आचरण करने की शिक्षा देते हैं। इस भीषण गर्मी में मूक पक्षियों के लिए परिण्डे बांधकर जल उपलब्ध कराने का जिला सभा का यह कार्य सराहनीय है।

जिला सभा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने अपने संक्षिप्त संबोधित में कहा कि पक्षी हमारे पर्यावरण के महत्वपूर्ण घटक हैं। उन्हें भीषण गर्मी एवं लू से बचाये रखने के लिए शीतल जल उपलब्ध कराना देवीय कार्य है।

इस अवसर पर गायत्री मंत्र एवं वेदमंत्रोंच्चारणपूर्वक बालक-बालिकाओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ ही आर्यजनों द्वारा परिण्डें बांधकर उनमें शीतल जल भरा गया।

इस अवसर पर निराश्रित बालगृह की संचालिका श्रीमती बृजबाला निर्भीक, हरिगोविन्द निर्भीक सहित संस्थान के कर्मचारी बालक-बालिकाएं एवं आर्य समाज कोटा के समचरण आर्य, पं. शोभाराम आर्य, किशन आर्य, श्रीमती विमलेश आर्य, सानिध्य आर्य एवं युवान आर्य आदि उपस्थित रहे।

रक्त का कोई विकल्प नहीं- प्रकाश आर्य

कोटा। रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसलिए रक्तदान को जीवनदान कहा जाता है। अधिक से अधिक लोग स्वैच्छिक रक्तदान करें ताकि जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध हो सके।

उक्त विचार सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के महामंत्री प्रकाश आर्य ने तलवंडी स्थित एस.के.साधक मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा संचालित कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक में आर्य समाज द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन करते हुए व्यक्त किये।

आर्य समाज के ज़िला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि रक्तदान ऐसा दान है जिससे दूसरे का जीवन बचाया जा सकता है। कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक के निदेशक वरिष्ठ पेथोलोजिस्ट आर्य पुत्र डॉ. वेदप्रकाश गुप्ता ने कहा कि रक्तदान के संबंध में जागरूकता की आवश्यकता है, कोटा में रक्तदान एक परंपरा बनता जा रहा है, आर्य समाज के युवा किशन आर्य (हरियाणा वाले), वेदमित्र वैदिक व अन्य लोगों ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर महावीर नगर आर्य समाज के प्रधान आरसी आर्य, मंत्री राधाबल्लभ राठौर, आर्य विद्वान पंडित शोभाराम आर्य ने मंत्रोच्चारण के साथ अतिथियों का स्वागत किया। कृष्णा रोटरी क्लब बैंक की ओर से डॉ. सौरभ गुप्ता ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये।

जीवन है अनमोल फोल्डर के द्वितीय संस्करण का दिल्ली में हुआ विमोचन

कोटा के कार्यों को मिली दिल्ली में सराहना

कोटा। अवसाद व तनाव के कारण युवाओं में आत्महत्या की बढती प्रवति को रोकने के लिए पतंजलि योग समिति कोटा द्वारा प्रकाषित प्रेरणादायी फेल्डर

''जीवन है अनमोल'' के द्वितीय संस्करण का आर्यसमाज कीर्तिनगर दिल्ली में विमोचन किया गया।

आर्यसमाज कीर्तिनगर दिल्ली में आयोजित *कार्यक्रम* में दिल्ली आर्य *प्रतिनिधि* सभा के प्रधान धर्मपाल आर्य ने आर्यसमाज जिलासभा के प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा, आर. सी. आर्य (कोटा), ओमप्रकाष आर्य, श्रीमती वीणा आर्या, सतीष चढ्डा, एस.पी. सिंह, हर्शप्रिय आर्य, ओमप्रकाष घई, बलदेव सचदेवा, राजेन्द्र दुर्गा, कविता आर्या सहित बड़ी संख्या में उपस्थित आर्यजनों के समक्ष फेल्डर के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया।

इस अवसर पर धर्मपाल आर्य ने अपने सम्बोधन में कोटा को बधाई देते हुए तथा फेल्डर की तारीफ करते हुए कहा कि कोचिंग छात्रों एवं युवाओं को जीवन की महत्ता बतलाने वाले फेल्डर का प्रकाषन कर वितरित करना बड़ा सराहनीय कार्य है। फेल्डर से निष्चित रूप से युवा पीढ़ी लाभान्वित होगी।

विमोचन कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए आर्यसमाज जिलासभा कोटा के प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने कहा कि आज का युवा प्रतिस्पर्धा के कारण तनावग्रस्त होकर हतोत्साहित हो जाता है जिसके कारण वह आत्महत्या जैसा कदम उठा लेता है। युवाओं में सकारात्मक विचारों को पहुंचाने के लिए ही इस फेल्डर का प्रकाषन कोटा में किया गया और कोचिंग ले रहे युवओं में बांटा गया।

प्रथम संस्करण के समापन पर पुन: द्वितीय संस्करण प्रकाषित किया गया जिसका आज विमोचन किया जा रहा है।

फेल्डर का लेखन वैदिक विद्वान आचार्य अग्निमित्र षास्त्री ने किया है। इसमें जीवन के प्रति सकारात्मक दृश्टिकोण कैसे अपनाएं। इस बारे में जानकारी दी गई। पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि फेल्डर प्रकाषन का उद्देष्य युवाओं में जीवेम षरद: षतम् का संदेष देना है। फेल्डर के विमोचन के पष्चात उपस्थित लोगों को फेल्डर वितरित किया गया। आर्यसमाज महावीर नगर के प्रधान आर.सी. आर्य ने बताया कि कोटा में कोचिंग विद्यार्थियों को व अन्य युवाओं में यह फेल्डर वितरित किया जाएगा।

बच्चों में सद्गुणों का विकास करना महान कार्य है - प्रकाश आर्य

निराश्रित बालगृह में आर्य समाज का वैदिक सत्संग संपन्न

कोटा। आर्य समाज जिला सभा कोटा के तत्वाधान में रंगबाड़ी स्थित निराश्रित बालगृह में वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में बच्चों को संबोधित करते हुए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के महामंत्री प्रकाश आर्य ने कहा कि बच्चों में सद्गुणों का विकास करना महान कार्य है, क्योंकि श्रेष्ठ मानव संस्कारों से बनता है। संस्कारित व्यक्तित्व का निर्माण ही संस्थान का संकल्प होना चाहिए। आर्य समाज ऐसे ही कार्य करने वाली संस्था है।

मधुस्मृति संस्थान रंगबाड़ी में अपने प्रेरणादायक शब्दों में उन्होंने कहा कि हमसब सनाथ हैं क्योंकि परमात्मा हमारा नाथ है। जिसका हाथ परमात्मा पकड़ लेता है उसे आनंद ही आनंद मिलता है। इसलिए परमेश्वर का अपना सखा, बन्धु एवं साथी बनाये, सुख की प्राप्ति होगी।

इस अवसर पर आर्य समाज जिला सभा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने अपने संदेश में कहा कि आत्मिक उन्नति के लिए आर्य समाज से जुड़े एवं महर्षि दयानन्द की वैदिक विचारधारा के अनुकूल सिद्धांतों को जीवन में धारण करें इससे सत्य ज्ञान की प्राप्ति होती है। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ ईशवंदना एवं ईश्वर स्तुति प्रार्थना मंत्रों के साथ हुआ। मधुस्मृति संस्थान निराश्रित बालगृह कोटा की संचालिका श्रीमती बृजबाला निर्भीक ने उपस्थित जनों का शब्दों से स्वागत किया एवं संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया। डीएवी के धर्म शिक्षक पं. शोभाराम आर्य ने बच्चों से अपने संबोधन में कहा कि वेद ईश्वरीय ज्ञान है। वेद के सिद्धांतों को जीवन में अपनाएं। पुनीत ज्ञान को ग्रहण करने से जीवन पवित्र बनता है। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता शर्मा ने भी संबोधित किया। आर्य समाज महावीर नगर के प्रधान रामचरण आर्य ने भजन प्रस्तुत किया। मधुस्मृति संस्थान के बच्चों ने संगीतमय गायत्री मंत्र की प्रस्तुति दी।

वैदिक आध्यात्मिक सत्संग के इस अवसर पर हरिगोविन्द निर्भीक, राधाबल्लभ राठौर, वेदमित्र वैदिक, किशन आर्य, श्रीमती विमलेश आर्य, सानिध्य आर्य एवं युवान आर्य उपस्थित रहे।

योगमय हुआ कोटा

विभिन्न राज्यों से आ रहे हैं योग प्रचारक

कोटा। चतुर्थ अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर की जा रही पूर्व तैयारियों ने कोटा के माहौल को योगमय बना दिया है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में योग कक्षाएं एवं गतिविधियां संचालित होने लगी हैं।

इस अवसर पर पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि 21 जून को मनाये जाने वाले अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 19 जून से 21 जून तक विशाल तीन दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पूज्य योग ऋषि स्वामी रामदेव जी स्वयं योग एवं प्राणायाम करवायेंगे।

इसके लिए वृहद् स्तर पर योग गतिविधियां संचालित की जा रही है। प्रोटोकोल के तहत किये जाने वाले समिति के जिला प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि कोटा शहर के लोगों को योगाभ्यास के लिए शहर को चार जोन में विभाजित किया गया। जोनों को वार्ड में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन के सभी क्षेत्रों में स्वामी रामदेव द्वारा प्रशिक्षित योग प्रचारक तीन-तीन दिवसीय योग कक्षाओं का संचालन कर प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी विवेक गर्ग ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से योग प्रचारकों का आना प्रारंभ हो गया है। अभी मध्यप्रदेश एवं गुजरात से 300 से अधिक योग प्रचारक शहर में अपनी सेवाएं देने लगे हैं।

अगले कुछ दिनों में भारत के अन्य राज्यों से भी आकर योग प्रचारक कोटा शहर एवं ग्रामीण अंचल में जाकर योग प्रोटोकोल के लिए नि:शुल्क योग सिखायेंगे। आचार्य चन्दन जी के निर्देशन में सभी योग प्रचारक योग के साथ साथ स्वास्थ्य सम्बंधित विभिन्न जानकारियों से लोगों को लाभान्वित करेंगे। एक्यूप्रेशर आदि विभिन्न गतिविधियों का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। योग कक्षाओं के सफल संचालन एवं मॉनिटरिंग के लिए कार्यकर्त्ताओं के विशेष दल गठित किये गये हैं। जिसमें सेवाव्रती शंकर, महिला प्रभारी मिथलेश, किसान प्रभारी प्रहलाद, रंजनकांत, आनन्द मेवाड़ा, लक्ष्मण सिंह, वेदमित्र वैदिक, रामपाल, किशन आर्य, सोमवीर तायल आदि सम्मिलित हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं सम्पादक अर्जुन देव चड्ढा द्वारा मुद्रक मनोहर पारीक द्वारा जनधारणा प्रिंटर्स, 70 समाचार पत्र परिसर, महावीर नगर प्रथम, कोटा से मुद्रित एवं 'आर्यभवन' 4-प-28, विज्ञाननगर, कोटा-324005 से प्रकाशित। फोन: 0744-2422428। प्रबन्ध सम्पादक राकेश चड्ढा।